चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	**13.08.2020**	**02**	**07-08**

WEBINAR ON NEMATODE PROBLEM

Hisar: The nematology department organised a webinar on the problem of nematodes in horticultural crops, and their management. The webinar was organised in view of the gravity of the problem in Guava and poly houses in the state. Dr RK Walia, former professor, nematology department and former project coordinator, All India Coordinated Research Project (Nematodes), ICAR, was the main speaker at the webinar. Besides, students and scientists of the department, 125 participants from 14 states participated in it. He explained that the main reason behind the spread of nematodes in these crops was the use of nematode-infected nursery and other planting material. Farmers and nurseryman are often ignorant about the nematode infection in these crops. He emphasised on the need to test the soil and planting material before erection of poly house and planting of orchard. He also laid stress on the use of nematode-free nursery, and integrated nematode management in poly houses. At the end of webinar, speaker answered the queries and questions of participants. Vice-Chancellor of CCS HAU, Hisar, Dr Samar Singh, and Director of Research, Dr SK Sehrawat congratulated the scientists of the department on organising the webinar.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	02	07-08

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे

एचएयू के कुलपति ने बताए औषधीय पौधों के गुण

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही कोविड-19 महामारी से लड़ा जा सकता है। देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है।

चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनुवांशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौध की नर्सरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्य के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह।

ये हैं मुख्य पौधे जिनके प्रयोग से बढ़ा सकते हैं प्रतिरोधक क्षमता

अश्वगंधा विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आस-पास, सड़क किनारे, खेत की मेढ़/डोल तथा वन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अल्सर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टोनिक के रूप में सभी आयुवर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं।

इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	04	06-08

वीसी बोले- वीरवार को गठित करेंगे विशेष कमेटी

एचएयू में ग्रीन हाउस निर्माण में गोलमाल का मामला

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हाईटेक ग्रीन हाउस के निर्माण में गड़बड़ी सामने आने के बाद अब वीसी ने अपने स्तर से मामले की जांच करानी शुरू कर दी है। वीसी ने कहा कि वीरवार को मामले की जांच को लेकर विशेष कमेटी गठित करेंगे। यही नहीं वह खुद भी मामले की जांच करेंगे।

दरअसल, एचएयू में 12 करोड़ रुपये में ग्रीन हाउस का निर्माण होना था। यह विवि का ड्रीम प्रोजेक्ट था। निर्माण का जिम्मा एस्ट्रोन सोलर पॉवर प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। अभी बीस प्रतिशत ही काम पूरा हो सका है। मगर कंपनी को आधे से अधिक यानि करीब सात करोड़ का भुगतान कर दिया गया। अब कंपनी का कोई पता नहीं है। विवि प्रशासन कंपनी को इस संबंध में पत्र लिख रहा है। वीसी डॉ. समर सिंह का कहना है कि आज वह चंडीगढ़ मीटिंग में आ गए। दो दिन बाद इस मामले में कमेटी गठित करेंगे। यदि किसी की संलिप्तता मिलती है तो जांच के बाद विभागीय कार्रवाई होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	04	01-04

पहल • एचएयू वीसी के प्रयास से प्रदेश के किसान होंगे लाभान्वित, शोधार्थियों और किसानों को जल्द मिलेगी ट्रेनिंग

सीवरेज वाटर में भी मछली पाल सकेंगे किसान, एचएयू में 50 साल से सीवरेज के लिए बेकार 16 एकड़ जमीन में शुरू कराया मछली पालन

महबूब अली | हिसार

प्रदेश के किसानों और मछलियों पर शोध करने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी है। एचएयू में वर्ष 1970 से सीवरेज पानी के लिए बने तालाबों के लिए बेकार पड़ी 16 एकड़ जमीन में विवि प्रशासन ने अत्याधुनिक तरीके से मछली पालन शुरू कराया है। खासियत यह है कि सीवरेज के पानी में ही मछली पालन शुरू किया गया है। जिसमें विभिन्न प्रजातियों की मछलियों को पाला गया है। दिसंबर, जनवरी माह तक छात्र यहां मछलियों पर शोध कर सकेंगे। वहीं प्रदेश के किसान मछलियों को पालने के संबंध में ट्रेनिंग भी हासिल कर सकेंगे। इस संबंध में विवि प्रशासन ने कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देश पर तैयारी शुरू कर दी है।

एचएयू में मछली पालन के बारे में लोगों को जानकारी देते वैज्ञानिक डॉ. धर्मवीर सिंह।

चार तालाब बना पंगास, मांगूर, मुरकी, कैट, चिलकारी मछलियां पालीं

डॉ. रचना गुलाटी ने बताया कि विवि के सोलह एकड़ के सीवरेज के तालाबों के पानी की जांच करवाने के बाद उनमें विभिन्न प्रकार की मछलियों को पब्लिक प्राइवेट सहभागिता के आधार पर पालने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया। अब सफलता पूर्वक मछली पालन किया जा रहा है। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि बनाए गए चार तालाबों में पंगास, भारतीय मांगूर, मुरकी, कैट, चिलकारी आदि मछलियों को पाला गया है।

एचएयू के लिए यह बड़ी उपलब्धि है : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू के लिए यह बड़ी उपलब्धि है कि सीवरेज के पानी में ही मछली पालन शुरू कराया गया है। पचास साल से एचएयू में उक्त 16 एकड जमीन बेकार पड़ी थी। जल्द ही किसान और छात्र भी यहां पर आकर ट्रेनिंग ले सकेंगे।'' - प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	02	01-03

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन स्पर्धा का आयोजन

भव्या संधु ने सबसे अच्छी पौष्टिक रेसिपी बनाकर पाया प्रथम स्थान

सिटी रिपोर्टर• चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती होम साइंस कॉलेज में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

प्रतियोगिताओं में ये प्रतिभागी भी रहीं विनर

- नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय रहीं।
- हाथ से बनाए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं।
- स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया।
- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती के साथ आस्था, ज्योति और प्रियंका विजेता रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.08.2020	02	06

एक भी किसान एचएयू से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा : प्रो. समर

हिसार| एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आह्वान किया कि वही देश का भविष्य हैं, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उन्नति व विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे कृषि क्षेत्र में कहीं भी रहें मगर किसानों के कल्याण के लिए कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि स्नातकों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कर्तव्य है कि किसानों की सहायता करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्ग दर्शन करे। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.08.2020	02	08

बीएससी ऑनर्स में दाखिले के लिए एचएयू में आवेदन का आज अंतिम दिन

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर में एडमिशन के लिए आवेदन का आज अंतिम दिन है। 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण छात्र ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर समय सिंह ने बताया कि मेरिट के आधार पर एडमिशन लिए जाएंगे। प्रयास रहेगा कि छात्र एवं छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करने दिया जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.08.2020	04	06-08

कृषि मेघ एप्लीकेशन से किसान और छात्रों को घर बैठे मिलेगी खेती से लेकर रिर्सच तक की जानकारी

एप्लीकेशन के माध्यम से देशभर के एलुमिनाई भी एक साथ जुड़ सकेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत विकसित 'कृषि मेघ एप्लीकेशन सेवा का शुभारंभ किया गया गया था। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि एप के माध्यम से जहां किसानों का डांटा ऑनलाइन होगा। वहीं किसान एप्लीकेशन के माध्यम से किसी भी तरह की खेती से संबंधित जानकारी हासिल कर सकेंगे। इसके अलावा छात्र कृषि संबंधी रिसर्च की भी एक क्लिक पर जानकारी हासिल करेंगे। विवि भी किसान और छात्रों को सेवा के प्रति सोशल मीडिया और एसएमएस के माध्यम से जागरूक कर रहा है।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि कृषि मेघ सेवा का शुभारंभा आईसीएआर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तैयार किया गया है। कृषि मेघ एक डिजीटल प्लेटफार्म है ,जिसपर कृषि संबंधी डाटा उपलब्ध हो सकेगा और इससे नई शिक्षा नीति के साथ - साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ- साथ उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत् को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाईन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12.08.2020	04	07-08

नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में भव्या संधू प्रथम

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताएं करवाई गईं। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर हुई प्रतियोगिता में 245 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा व खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आईसीडीएस कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनू सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल ने संचालन किया। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधू, प्रेक्षा द्वितीय और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाई गई पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिन्नी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला ने चौथा व नीलम ने पांचवां स्थान पाया। प्रश्नोत्तरी में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

भव्या संधू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.08.2020	02	01

'कृषि मेघ' होगा किसानों के लिए लाभकारी'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा है कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर द्वारा शुरू की गई 'कृषि मेघ' सेवा से नई शिक्षा नीति के साथ-साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। इससे उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाइन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.08.2020	02	01-06

एचएयू : मेरिट के आधार पर दाखिला करने के फैसले के पक्ष में नहीं विद्यार्थी

अमर उजाला ब्यूरो

बोले- विश्वविद्यालय के इस फैसले से कम अंक लेने वाले और प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को होगा अधिक नुकसान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में संचालित स्नातक कृषि में मेरिट के आधार पर दाखिले करने के फैसले का विरोध किया है। विद्यार्थियों के अनुसार विश्वविद्यालय के इस फैसले से 12वीं कक्षा में कम अंक लेने वाले विद्यार्थियों का नुकसान होगा। विद्यार्थियों ने मांग की है कि उक्त कोर्स में दाखिले मेरिट नहीं, बल्कि प्रवेश परीक्षा के आधार पर किए जाएं।

बता दें कि इस बार एचएयू प्रशासन ने कोरोना संकट को देखते हुए स्नातक कक्षाओं में मेरिट और स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिले करने का फैसला किया है।

मैं पिछले एक साल से बीएससी एग्रीकल्चर की प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारी कर रहा हूं। मगर इस बार विवि मेरिट आधार पर दाखिला कर रहा है। मेरे बारहवीं में अंक ज्यादा नहीं थे। मेरे जैसे और काफी विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्हें इस फैसले से नुकसान होगा।

-हितेन, तोशाम।

विवि का यह फैसला विद्यार्थियों के हित में नहीं है। मैं विवि प्रशासन से यह मांग करता हूं कि दाखिले प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होने चाहिए, ताकि दाखिले के लिए सभी को सभी अवसर मिल सके।

-राहुल, छात्र।

विवि ने कोरोना संकट को देखते हुए यह फैसला लिया है। मगर सामाजिक दूरी, मास्क पहनना आदि नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए भी परीक्षा का आयोजन किया जा सकता है। अगर दाखिले मेरिट आधार पर किए जाते हैं तो उन्हें विद्यार्थियों के साथ बड़ी नाइंसाफी होगी, जिनके किसी भी कारणवश बोर्ड परीक्षाओं में ज्यादा अंक नहीं आ सके।

अर्जुन, रेवाड़ी।

विवि का यह फैसला बिल्कुल भी सही नहीं है, क्योंकि इस फैसले से कई विद्यार्थियों का भविष्य भी जुड़ा हुआ है। विवि ने सिर्फ अपनी सुविधा को देखते हुए ही यह फैसला लिया है, जो उपयुक्त नहीं है।

शिव, अग्रोहा।

करीब 15 हजार विद्यार्थी यह परीक्षा देते हैं। विवि प्रशासन कोरोना को लेकर सरकार की सभी गाइडलाइन का पालन करते हुए परीक्षा कराने में सक्षम नहीं था। हालांकि हमने ऑनलाइन परीक्षा पर भी विचार किया था, लेकिन उसके लिए भी हमारे पास संसाधन नहीं हैं। पीएयू भी मेरिट आधार पर ही दाखिले कर रही है। इसलिए हमारी एकेडमिक काउंसिल ने भी मेरिट आधार पर ही दाखिले करने का फैसला किया।

प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12.08.2020	02	01

कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे : कुलपति

हिसार, 11 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात मे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है।

इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है।

चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.08.2020	03	04-06

युवाओं पर टिका है देश का भविष्य : प्रो. समर सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर युवाओं को आह्वान किया कि वह देश का भविष्य हैं, ऐसे में उन्हें इसकी उन्नति व विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए।

प्रो समर सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।

उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे हमेशा किसानों के कल्याण के लिए कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है। ऐसे में कृषि स्नातकों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कर्तव्य है कि किसानों की सहायतार्थ जो हो सके, करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो वह उसका सही मार्गदर्शन करें। विश्वविद्यालय से किसान हमेशा यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम वीरवार को घोषित किया जाएगा।

देश में कृषि मेघ होगा किसानों के लिए लाभकारी : कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अंतर्गत विकसित कृषि मेघ सेवा व अन्य तीन सेवाओं का 11 अगस्त को शुभारंभ किया गया। कृषि मेघ आइसीएआर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तैयार किया गया है।

उन्होंने बताया कि कृषि मेघ एक डिजिटल प्लेटफार्म है जिस पर कृषि संबंधी डाटा उपलब्ध हो सकेगा। इससे नई शिक्षा नीति के साथ-साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाइन मान्यता प्राप्त हो सकेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	12.08.2020	09	05-08

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं औषधीय पौधे

हिसार। कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात मे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बुटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है। चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ये पौधे बढ़ाते हैं प्रतिरोधक क्षमता

अश्वगंधा -अश्वगंधा की जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अलसर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। तुलसी -तुलसी में विषाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सर्दियों में जुकाम, बुखार, खाँसी एवं कफ के निवारण हेतु तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाया जाता है। मुलहठी-यह दमा, टीबी,कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यन्त लाभकारी हो सकती है। गिलोय : गिलोय में रोगाणु-विषाणु से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। दाल-चीनी- इसका उपयोग ब्रोन्काईटिस, दाम आदि श्वास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाईयों में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्ण का ही उपयोग करें। बांसा - इन पौधों का उपयोग कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोकाईटिस, खुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। लेमन ग्रास - लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी सूखी पत्तियों का उपयोग ग्रीन टी के रूप में किया जाता है।अदरक-अदरक एक अद्भूत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मद्दगार है। इसके अतिरिक्त अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है। हल्दी- हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्व भी पाया जाता है। जो हमारे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	12.08.2020	10	07-08

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम पौष्टिक रेसिपी

हिसार। हकृवि के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए। इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिन्नी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	11.08.2020	--	--

कहा-किसान करें औषधीय पौधों की खेती - आय में करें बढोतरी

कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है। चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर को रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस संदर्भ में आनुवांशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौध की नर्सरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्य के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

ये है मुख्य पौधे जिनके प्रयोग से बढ़ा सकते हैं प्रतिरोधक क्षमता

अश्वगंधा- विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आस-पास, सड़क किनारे, खेत की मेढ़/डोल तथा वन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अलसर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टॉनिक के रूप में सभी आयुवर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुलसी- तुलसी में विषाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सर्दियों में जुकाम, बुखार, खांसी एवं कफ के निवारण हेतु तुलसी की पत्तियों का काढ़ा

बनाया जाता है।

मुलहठी- यह दमा, टी.बी.,कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यन्त लाभकारी हो सकती है। इसके अलावा यह पीसस्रानाशक, वमननाशक एवं बुद्धिवर्धक है व पैप्टिक अलसर में भी उपयोगी पायी गई है। इसका प्रयोग कीटाणुनाशक औषधियां, एल्कोहल, पीस्ट कल्चर उत्पादन के लिए भी किया जाता है।

गिलोय : गिलोय में रोगाणु-विषाणु से लड़ने की क्षमता होती है। इसको लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ वमनकारी होती है। गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तथा श्वास संबंधी रोगों को ठीक करती है।

दाल-चीनी- इसका उपयोग ब्रोन्काईटिस, दमा आदि श्वास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाईयों में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्ण का ही उपयोग करें। अधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है।

बांसा - इन पौधों का उपयोग मुख्य रूप से श्वास रोगों, खांसी, सर्दी-जुकाम में किया जाता है। इसे कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोंकाइटिस, खुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। इनमें एन्टी-वायरल, एन्टी-बैक्टीरियल तथा एन्टी-फंगल गुण भी पाए जाते हैं।

लेमन ग्रास - लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी/सूखी पत्तियों का उपयोग 'ग्रीन टी' के रूप में किया जाता है।

अदरक- अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मददगार है। इसके अतिरिक्त अदरक हमारे इम्युनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है।

हल्दी- हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्त्व भी पाया जाता है। जो हमारे शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक है। सुदृढ़ प्रतिरक्षा क्षमता हमें सर्दी, फ्लू और खांसी होने की संभावना को कम करती है। सर्दी, खांसी या फ्लू होने पर एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाऊडर को मिलाकर पी सकते हैं। इसके अतिरिक्त हल्दी कैंसर, गठिया, मधुमेह, हृदय रोग से निदान, घाव भरने, वजन घटाने में सहायक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	11.08.2020	--	--

हकृवि में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

प्रतियोगिता में 245 विद्यार्थियों ने लिया प्रतियोगिताओं में हिस्सा

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ाण्डा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढ़ांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	11.08.2020	--	--

निबंध प्रतियोगिता में अंकित सचदेवा प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है व प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। साथ ही कोरोना के खिलाफ सभी को इस ओर सामाजिक दूरी कायम रखते हुए मास्क का प्रयोग कर सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है।

छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुकसान' पर आधारित था। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि निबंध प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा की अगुवाई में किया गया व डॉ. विरेंद्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया।

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसानः कुलपति

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सुत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था।

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं के पूर्व प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार ने बागवानी फसलों में लगने वाले सूत्रकृमि तथा उनके समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके।

डॉ. वालिया ने पॉलीहाउस की फसलों में समेकित सूत्रकृमि प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर बताए गए सुझाव अपनाने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से सूत्रकृमि को लेकर सचेत रहने और सावधानी बरतने का आह्वान किया। वेबीनार में देश के 14 राज्यों के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	11.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थी। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन में डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनू सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु रही जबकि प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रही।

इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	11.08.2020	--	--

कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधेः प्रोफेसर समर सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात मे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है।

चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सदंर्भ में आनुवांशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौध की नर्सरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्य के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। डॉ. छाबड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आसपास, सड़क किनारे, खेत की मेढ़/डोल तथा वन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अलसर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टोनिक के रूप में सभी आयुवर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसी प्रकार तुलसी में विषाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सर्दियों में जुकाम, बुखार, खांसी एवं कफ के निवारण के लिए तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाया जाता है। वहीं मुलहठी से दमा, टी.बी., कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यंत लाभकारी हो सकती है। इसके अलावा यह पीपासानाशक, वमननाशक एवं बुद्धिवर्धन है व पैप्टिक अलसर में भी उपयोगी पाई गई है।

इसका प्रयोग कीटाणुनाशक औषधियां, एल्कोहल, यीस्ट कल्चर उत्पादन के लिए भी किया जाता है। गिलोय में रोगाणु विषाणु से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ वमनकारी होती है। गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तथा श्वास संबंधी रोगों को ठीक करती है। इसी प्रकार दाल चीनी का उपयोग ब्रोन्काईटिस, दमा आदि श्वास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाओं में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्ण का ही उपयोग करें। अधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है। बांसा के पौधों का उपयोग मुख्य रूप से श्वास रोगों, खांसी, सर्दी-जुकाम में किया जाता है। इसे कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोन्काईटिस, खुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। इनमें एन्टी-वायरल, एन्टी-बैकटेरियल तथा एन्टी-फंगल गुण भी पाए जाते हैं। वहीं लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी/सूखी पत्तियों का उपयोग 'ग्रीन टी' के रूप में किया जाता है। डॉ. छाबड़ा ने बताया कि अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मददगार है। अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है। वहीं हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एंटी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्व भी पाया जाता है जो हमारे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। सुदृढ़ प्रतिरक्षा क्षमता हमें सर्दी, फ्लू और खांसी होने की संभावना को कम करती है। सर्दी, खांसी या फ्लू होने पर एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पी सकते हैं। इसके अतिरिक्त हल्दी कैंसर, गठिया, मधुमेह, हृदय रोग से निदान, घाव भरने, वजन घटाने में सहायक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	12.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

245 विद्यार्थियों ने लिया प्रतियोगिताओं में हिस्सा

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ाण्डा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढ़ांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	11.08.2020	--	--

भव्या सिंधू ने बनाई सबसे स्वादिष्ट पौष्टिक रेसिपी

हिसार/11 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाईन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आईसीडीएस कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिन्नी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	11.08.2020	--	--

'देसी जड़ी-बुटियां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर महामारी से लड़ने में मददगार'

हिसार/11 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात मे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बुटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है। चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सदंर्भ में आनुवांशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौध की नर्सरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्य के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

डॉ. छाबड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आस-पास, सड़क किनारे, खेत की मेढ़/डोल तथा वन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अलसर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टोनिक के रूप में सभी आयुवर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुलसी में विषाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सर्दियों में जुकाम, बुखार, खांसी एवं कफ के निवारण हेतु तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाया जाता है। मुलहठी दमा, टीबी, कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यन्त लाभकारी हो सकती है। इसके अलावा यह पीपासानाशक, वमननाशक एवं बुद्धिवर्धन है व पैप्टिक अलसर में भी उपयोगी पायी गई है। इसका प्रयोग कीटाणुनाशक औषधियां, एल्कोहल, यीस्ट कल्चर उत्पादन के लिए भी किया जाता है।

गिलोय में रोगाणु-विषाणु से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ वमनकारी होती है। गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तथा श्वास संबंधी रोगों को ठीक करती है।

दाल-चीनी का उपयोग ब्रोन्काईटिस, दमा आदि श्वास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाईयों में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्ण का ही उपयोग करें। अधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है। बांसा के पौधों का उपयोग मुख्य रूप से श्वास रोगों, खांसी, सर्दी-जुकाम में किया जाता है। इसे कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोंकाईटिस, खुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। इनमें एन्टी-वायरल, एन्टी-बैकटेरियल तथा एन्टी-फंगल गुण भी पाए जाते हैं।

लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी/सूखी पत्तियों का उपयोग 'ग्रीन टी' के रूप में किया जाता है। अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मद्दगार है। इसके अतिरिक्त अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है।

हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्त्व भी पाया जाता है। जो हमारे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। सुदृढ़ प्रतिरक्षा क्षमता हमें सर्दी, फ्लू और खांसी होने की संभावना को कम करती है। सर्दी, खांसी या फ्लू होने पर एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाऊडर को मिलाकर पी सकते हैं। इसके अतिरिक्त हल्दी कैंसर, गठिया, मधुमेह, हृदय रोग से निदान, घाव भरने, वजन घटाने में सहायक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	11.08.2020	--	--

नित्य शक्ति टाइम्स (हिसार) मंगलवार 11 अगस्त, 2020 3

कोरोना के ख़िलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे : प्रो. समर सिंह

कुलपति ने कहा : औषधीय पौधों की खेती कर आय में बढ़ोतरी करें किसान

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात मे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बुटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लडने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है।

डॉ. अशोक छाबड़ा

डॉ. राजेश कुमार आर्य

चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सदंर्भ में आनुवांशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौध की नर्सरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्य के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

ये हैं मुख्य पौधे जिनके प्रयोग से बढ़ा सकते हैं प्रतिरोधक क्षमता

अश्वगंधा : विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आस-पास, सड़क किनारे, खेत की मेढ़/डोल तथा वन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अलसर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टोनिक के रूप में सभी आयुवर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुलसी : तुलसी में विषाणुओं से लडने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सर्दियों में जुकाम, बुखार, खाँसी एवं कफ के निवारण हेतु, तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाया जाता है।

मुलहठी : यह दमा, टी.बी.,कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यन्त लाभकारी हो सकती है। इसके अलावा यह पीपासानाशक, वमननाशक एवं बुद्धिवर्धन है व पैप्टिक अलसर में भी उपयोगी पायी गई है। इसका प्रयोग कीटाणुनाशक औषधियां, एल्कोहल, यीस्ट कल्चर उत्पादन् के लिए भी किया जाता है।

गिलोय : गिलोय में रोगाणु-विषाणु से लडने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ वमनकारी होती है। गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तथा श्वास संबंधी रोगों को ठीक करती है।

दाल-चीनी: इसका उपयोग ब्रोन्काईटिस, दाम आदि श्वास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाईयों में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्ण का ही उपयोग करें। अधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है।

बांसा : इन पौधों का उपयोग मुख्य रूप से श्वास रोगों, खांसी, सर्दी-जुकाम में किया जाता है। इसे कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोकाईटिस, खुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। इनमें एन्टी-वायरल, एन्टी-बैकटेरियल तथा एन्टी-फंगल गुण भी पाए जाते हैं।

लेमन ग्रास : लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी/सूखी पत्तियों का उपयोग 'ग्रीन टी' के रूप में किया जाता है।

अदरक : अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदगार है। इसके अतिरिक्त अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है।

हल्दी : हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्त्व भी पाया जाता है। जो हमारे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। सुदृढ़ प्रतिरक्षा क्षमता हमें सर्दी, फ्लू और खांसी होने की संभावना को कम करती है। सर्दी, खांसी या फ्लू होने पर एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाऊडर को मिलाकर पी सकते हैं। इसके अतिरिक्त हल्दी कैंसर, गठिया, मधुमेह, हृदय रोग से निदान, घाव भरने, वजन घटाने में सहायक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	12.08.2020	--	--

नित्य शक्ति टाइम्स (हिसार) बुधवार 12 अगस्त, 2020

भगवान श्री कृष्ण के बताए उपदेशों को अपने जीवन में धारण करें : कुलपति

हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा, भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से हमें संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर कहा कि भगवान श्री कृष्ण द्वारा हरियाणा की पावन भूमि कुरूक्षेत्र पर गीता का उपदेश आज के युग में भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर समर सिंह ने आम जनमानस से आह्वान किया कि वे श्री कृष्ण के बताए उपदेशों को अपने जीवन में भी धारण करें। नवसृजन और जनकल्याण के प्रणेता भगवान श्रीकृष्ण की अनेक छवियां भारतीय जनमानस से जुडी हुई हैं। श्रीकृष्ण जी के जन्मदिवस पर हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सत्कर्म करने पर बल देना चाहिए। जिस मनुष्य का जीवन सत्कर्म से अच्युत है, वह निर्धन है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें जीवन में सर्वश्रेष्ठ कर्मों को करने के लिए प्रेरित करता है। पापियों व आततायियों के अंत के लिए श्रीकृष्ण ने समय पर सुदर्शन चक्र को धारण करके उनका नाश किया। उनके जीवन से हमें संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। सुदामा के साथ निभाई मित्रता से उनके द्वारा समस्त विश्व को ऊंच-नीच का भेद भुलाकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। द्रोपदी चीर हरण के समय मानवमन में समायी मलिनता पर कठोराघात करते हुए महाभारत जैसे भीषण युद्ध में पापियों का नाश करवाया।

ऐसे में हमें अपने जीवन के प्रति सजग रहकर गीतात्पदेश को धारण करना चाहिए। श्रीकृष्ण एक महानायक के रूप में अवतरित हुए और उन्होंने कंस का वध कर अपनी माता व पिता को कारावास मुक्त करवाकर अपने पुत्रधर्म का पालन किया। सुरदास जी ने श्रीकृष्ण की बाल क्रिडाओं को अपने पदों में उतारा है, जिसके भजन सुनकर मन शांत व प्रसन्न हो जाता है। प्रो. समर सिंह ने कहा कि हमें श्री कृष्ण के बताए अनुसार कर्म करते हुए अपने पथ पर बढ़ते रहना चाहिए ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टूडे न्यूज	11.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढक़र भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ाण्डा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढ़ांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिन्नी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

प्रथम स्थान विजेता भव्या संधु

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टूडे न्यूज	12.08.2020	--	--

युवाओं पर टिका है देश का भविष्य

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आह्वान् किया कि देश का भविष्य हैं, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उन्नति व विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे कृषि क्षेत्र में कहीं भी रहें किन्तु किसानों के कल्याण हेतु कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि स्नात्कों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कत्तव्य है कि किसानों की सहायतार्थ जो हो सके, करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्ग दर्शन करे। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय में ऑनलाईन अध्ययन जारी है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अध्ययन को जारी रखा है और इस कार्य में अपना योगदान दिया है। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्रकल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम कल घोषित किया जाएगा।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

भगवान श्री कृष्ण की पथ प्रदर्शक व मार्गदर्शक के रूप में सार्थकता आज के युग में भी प्रासंगिक : कुलपति प्रो. समर सिंह

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर कहा कि भगवान श्री कृष्ण द्वारा हरियाणा की पावन भूमि कुरूक्षेत्र पर गीता का उपदेश आज के युग में भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर समर सिंह ने आम जनमानस से आह्वान् किया कि वे श्री कृष्ण के बताए उपदेशों को अपने जीवन में भी धारण करें।

नवसृजन और जनकल्याण के प्रणेता भगवान श्रीकृष्ण की अनेक छवियां भारतीय जनमानस से जुडी हुई हैं। श्रीकृष्ण जी के जन्मदिवस पर हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सत्कर्म करने पर बल देना चाहिए। जिस मनुष्य का जीवन सत्कर्म से अच्युत है, वह निर्धन है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें जीवन में सर्वश्रेष्ठ कर्मों को करने के लिए प्रेरित करता है। पापियों व आताताियियों के अंत के लिए श्रीकृष्ण ने समय पर सुदर्शन चक्र को धारण करके उनका नाश किया। उनके जीवन से हमें संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। सुदामा के साथ निभाई मित्रता से उनके द्वारा समस्त विश्व को ऊंच-नीच का भेद भुलाकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। द्रोपदी चीर हरण के समय मानवमन में समायी मलिनता पर कठोराघात करते हुए महाभारत जैसे भीषण युद्ध में पापियों का नाश करवाया। ऐसे में हमें अपने जीवन के प्रति सजग रहकर गीतात्पदेश को धारण करना चाहिए। श्रीकृष्ण एक महानायक के रूप में अवतरित हुए और उन्होंने कंस का वध कर अपनी माता व पिता को कारावास मुक्त करवाकर अपने पुत्रधर्म का पालन किया। सुरदास जी ने श्रीकृष्ण की बाल क्रीड़ाओं को अपने पदों में उतारा है, जिसके भजन सुनकर मन शांत व प्रसन्न हो जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें श्री कृष्ण के बताए अनुसार कर्म करते हुए अपने पथ पर बढ़ते रहना चाहिए ।

देश में 'कृषि मेघ' होगा किसानों के लिए लाभकारी : कुलपति

हिसार | केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत विकसित 'कृषि मेघ' सेवा व अन्य तीन सेवाओं का 11 अगस्त को शुभारंभ किया गया । कृषि मेघ आई.सी.ए.आर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तैयार किया गया है। कृषि मेघ एक डिजीटल प्लेटफार्म है जिसपर कृषि संबंधी डाटा उपलब्ध हो सकेगा और इससे नई शिक्षा नीति के साथ - साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ- साथ उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत् को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाईन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। इन तीनों सेवाओं के लागू करने पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर को बधाई दी। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के राष्ट्रीय निदेशक डॉ. आर. सी. अग्रवाल को बधाई देते हुए प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि मेघ एक नवाचार आधारित कदम है जो डिजीटल भारत कार्यक्रम में एक मुख्य कड़ी है व यह कार्यक्रम किसान, कृषि छात्र व विशेषज्ञों के बीच एक सक्रीय माध्यम का कार्य करेगा। इस तरह के किसान कल्याण हेतु कार्यक्रमों से भविष्य में व्यवहारिक व सकारात्मक परिणाम हासिल होंगें, साथ ही किसानों की उन्नति में कृषि व्यवसाय अपनी भूमि अदा करेगा। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किसानों के कल्याण हेतु हो रहे कृषि आधारित शोध कार्यों में गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आनलाईन (जीवन आधार)	11.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

SHARE

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर करवाई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

245 विद्यार्थियों ने लिया प्रतियोगिताओं में हिस्सा

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आईसीडीएस कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनू सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व स्वलीनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सच्देवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व निधि तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानी देवी ने तृतीय, सतीश बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**12.08.2020**	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा युवाओं पर टिका है देश का भविष्य

Posted on August 12, 2020 by Admin (https://ujimaalung.com/?author=1) |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आह्वान् किया कि देश का भविष्य हैं, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उन्नति व विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे कृषि क्षेत्र में कहीं भी रहें किन्तु किसानों के कल्याण हेतु कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि स्नातकों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कर्त्तव्य है कि किसानों की सहायतार्थ जो हो सके, करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्ग दर्शन करे। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय में आॅनलाईन अध्ययन जारी है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अध्ययन को जारी रखा है और इस कार्य में अपना योगदान दिया है। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्रकल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम कल घोषित किया जाएगा। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा की चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 अगस्त तक 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण छात्र अपना बी.एस.सी.(आॅनर्स) एग्रीकल्चर के लिए आवेदन कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	12.08.2020	--	--

हकृवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा-देश में 'कृषि मेघ' होगा किसानों के लिए लाभकारी

Posted on August 12, 2020 by Admin (https://jaimaajung.com/?author=1) |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत विकसित 'कृषि मेघ. सेवा व अन्य तीन सेवाओं का 11 अगस्त को शुभारंभ किया गया। कृषि मेघ आई.सी.ए.आर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तैयार किया गया है। कृषि मेघ एक डिजीटल प्लेटफार्म है जिसपर कृषि संबंधी डाटा उपलब्ध हो सकेगा और इससे नई शिक्षा नीति के साथ-साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ. साथ उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुम्नाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत् को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को आॅनलाईन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। इन तीनों सेवाओं के लागू करने पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर को बधाई दी। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के राष्ट्रीय निदेशक डॉ.आर.सी. अग्रवाल को बधाई देते हुए प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि मेघ एक नवाचार आधारित कदम है जो डिजीटल भारत कार्यक्रम में एक मुख्य कड़ी है व यह कार्यक्रम किसान, कृषि छात्र व विशेषज्ञों के बीच एक सक्रीय माध्यम का कार्य करेगा। इस तरह के किसान कल्याण हेतु कार्यक्रमों से भविष्य में व्यवहारिक व सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे, साथ ही किसानों की उन्नति में कृषि व्यवसाय अपनी भूमि अदा करेगा। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किसानों के कल्याण हेतु हो रहे कृषि आधारित शोध कार्यों में गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**12.08.2020**	--	--

भगवान श्री कृष्ण की पथ प्रदर्शक व मार्गदर्शक के रूप में सार्थकता आज के युग में भी प्रासंगिक - प्रोफेसर समर सिंह

August 12, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार 12 अगस्त - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर कहा कि भगवान श्री कृष्ण द्वारा हरियाणा की पावन भूमि कुरूक्षेत्र पर गीता का उपदेश आज के युग में भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर समर सिंह ने आम जनमानस से आह्वान् किया कि वे श्री कृष्ण के बताए उपदेशों को अपने जीवन में भी धारण करें। नवसृजन और जनकल्याण के प्रणेता भगवान श्रीकृष्ण की अनेक छवियां भारतीय जनमानस से जुडी हुई हैं। श्रीकृष्ण जी के जन्मदिवस पर हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सत्कर्म करने पर बल देना चाहिए। जिस मनुष्य का जीवन सत्कर्म से अच्युत है, वह निर्धन है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें जीवन में सर्वश्रेष्ठ कर्मों को करने के लिए प्रेरित करता है।

पापियों व आततायियों के अंत के लिए श्रीकृष्ण ने समय पर सुदर्शन चक्र को धारण करके उनका नाश किया। उनके जीवन से हमें संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। सुदामा के साथ निभाई मित्रता से उनके द्वारा समस्त विश्व को ऊंच-नीच का भेद भुलाकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। द्रोपदी चीर हरण के समय मानवमन में समायी मलिनता पर कठोराघात करते हुए महाभारत जैसे भीषण युद्ध में पापियों का नाश करवाया। ऐसे में हमें अपने जीवन के प्रति सजग रहकर गीतोपदेश को धारण करना चाहिए। श्रीकृष्ण एक महानायक के रूप में अवतरित हुए और उन्होंने कंस का वध कर अपनी माता व पिता को कारावास मुक्त करवाकर अपने पुत्रधर्म का पालन किया। सुरदास जी ने श्रीकृष्ण की बाल क्रीड़ाओं को अपने पदों में उतारा है, जिसके भजन सुनकर मन शांत व प्रसन्न हो जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें श्री कृष्ण के बताए अनुसार कर्म करते हुए अपने पथ पर बढ़ते रहना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	**12.08.2020**	--	--

हकृवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा-देश में 'कृषि मेघ' होगा किसानों के लिए लाभकारी

Posted on August 12, 2020 by Admin (https://julmasejung.com/?author=1) |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत विकसित 'कृषि मेघ, सेवा व अन्य तीन सेवाओं का 11 अगस्त को शुभारंभ किया गया। कृषि मेघ आई.सी.ए.आर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तैयार किया गया है। कृषि मेघ एक डिजीटल प्लेटफार्म है जिसपर कृषि संबंधी डाटा उपलब्ध हो सकेगा और इससे नई शिक्षा नीति के साथ-साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ, साथ उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत् को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाईन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। इन तीनों सेवाओं के लागू करने पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह केन्द्रीय कृषि एंव किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर को बधाई दी। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के राष्ट्रीय निदेशक डॉ.आर.सी. अग्रवाल को बधाई देते हुए प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि मेघ एक नवाचार आधारित कदम है जो डिजीटल भारत कार्यक्रम में एक मुख्य कड़ी है व यह कार्यक्रम किसान, कृषि छात्र व विशेषज्ञों के बीच एक सक्रीय माध्यम का कार्य करेगा। इस तरह के किसान कल्याण हेतु कार्यक्रमों से भविष्य में व्यवहारिक व सकाराक्मक परिणाम हासिल होंगे, साथ ही किसानों की उन्नति में कृषि व्यवसाय अपनी भूमि अदा करेगा। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किसानों के कल्याण हेतु हो रहे कृषि आधारित शोध कार्यों में गुणवता को बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	12.08.2020	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा युवाओं पर टिका है देश का भविष्य

Posted on August 12, 2020 by Admin (https://julmsejung.com/?author=1) |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आह्वान किया कि देश का भविष्य हैं, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उन्नति व विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे कृषि क्षेत्र में कहीं भी रहें किन्तु किसानों के कल्याण हेतु कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि स्नातकों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कर्त्तव्य है कि किसानों की सहायतार्थ जो हो सके, करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्ग दर्शन करें। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय में ऑनलाईन अध्ययन जारी है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अध्ययन को जारी रखा है और इस कार्य में अपना योगदान दिया है। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्रकल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम कल घोषित किया जाएगा। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा की चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 अगस्त तक 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण छात्र अपना बी.एस.सी.(ऑनर्स) एग्रीकल्चर के लिए आवेदन कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	12.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक

Posted on August 12, 2020 by Admin (https://julmsejung.com/?author=1) |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़.चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ.साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। 245 विद्यार्थियों ने लिया प्रतियोगिताओं में हिस्सा इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ाण्डा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढ़ांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिन्नी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।